



34

समक्ष :माननीय राजस्व मंडल म0प्र0 ग्वालियर

दिनांक - 10/6/16

अपील प्रकरण क्रमांक

/2016 जवलपुर

जागेश्वर प्रसाद गौड पुत्र पुन्नू गौड निवासी रामपुर नकटिया, तहसील व जिला जवलपुर म.प्र. ।

.....अपीलार्थी

श्री सुनील कि.ए. जाधव, कर्ण
द्वारा आज दि 2-4-16 को
प्रस्तुत

विरुद्ध

.....
कलक ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

1. मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर जिला जवलपुर ।
2. भाई लाल यादव पुत्र श्री सोनी लाल यादव निवासी 45 गधेरी, तहसील व जिला जवलपुर ।

.....प्रत्यार्थीगण

Adaw
श्री मी.डी.मिश्र
2-4-16

न्यायालय कलेक्टर, जिला जवलपुर द्वारा प्रकरण क 17/अ-21/2013-2014 मे पारित आदेश दिनांक 20.11.2013 एवं अपर कलेक्टर जवलपुर के प्रकरण क 131/अ-21/2012-13 मे पारित आदेश दिनांक 11.3.2013 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू - राज्य संहिता 1959 की धारा 44 के अधीन अपील ।

माननीय महोदय,

सेवा मे अपीलार्थी की ओर से निवेन निम्न प्रकार है :-

1. यहकि, अधीनस्थ न्यायालय का आदेश अवेध अनुचित एव विधि के उपबन्धो के प्रतिकूल होने से अपास्त किये जाने योग्य है।
2. यहकि, अधीनस्थ विचारण न्यायालय के समक्ष अपीलार्थी द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया कि ग्राम रामपुर नकटिया न.ब.230 प.ह.न. 36 स्थिति भूमि खसरा नं. 32/2 रकवा 0.80हे अपीलार्थी की स्वयं की निजी कृषि भूमि है जो भूमि कम उपजाउ है जिससे उसमे फसल पैदा नहीं हो पाती ऐसी स्थिति मे उक्त भूमि को विक्रय कर वह अपनी पुत्री की शादी तय हो चुकी है जिसके लिये रुपयो की जरूरत हैं इसलिये भूमि को विक्रय किये जाने की अनुमति चाही गई है जो विक्रय हेतु प्रर्याप्त रूप से कारण है। इस हेतु प्रत्यर्थी से अनुबंध किया है ऐसी स्थिति मे उसे भूमि विक्रय की अनुमति दी जावे ।
3. यहकि, अपीलार्थी के पास उक्त भूमि विक्रय करने के बाद भी अपीलार्थी के पास 0.08 हेक्टे. भूमि शेष बचना बताया गया है। एव आवेदित भूमि बिक्रय पश्चात

.....

7-4-16

यह अपील कलेक्टर जबलपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 17-अ-21/2013-14 में पारित आदेश दिनांक 20-11-2013 एवं अपर कलेक्टर जबलपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 131/अ-21/12-13 में पारित आदेश दिनांक 11-3-13 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ अपीलांत के अभिभाषक के तर्क सुने गये। उन्होंने बताया कि अपीलांत ने अपर कलेक्टर जबलपुर के समक्ष संहिता की धारा 165 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर उसके स्वत्व की भूमि सर्वे नंबर 32/2 रकबा 0.800 हैक्टर स्थित मौजा रामपुर नकटिया नं.ब. 230 पटवारी हलका नंबर 36 के विक्रय की अनुमति चाही थी क्योंकि उसे पैसे की सख्त आवश्यकता थी। विक्रय की जाने वाली भूमि पट्टे की भूमि न होकर अपीलांत द्वारा कय की गई भूमि है फिर भी अपर कलेक्टर ने अपीलांत को सूचना



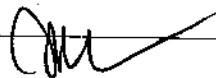
राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 1061-एक/16 अपील

जिला जबलपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि० के हस्ताक्षर
	<p>दिये बिना एवं सुनवाई का अवसर दिये बिना विक्रय अनुमति आवेदन निरस्त करने में त्रुटि की गई और जब इस तथ्य को बताते हुये कलेक्टर जबलपुर से प्रार्थना की गई, तब उन्होंने भी आदेश दिनांक 20-11-2013 से विक्रय अनुमति आवेदन निरस्त करते हुये आदेश की समय पर कोई सँसूचना अपीलांट को नहीं दी। जब अपीलांट कलेक्टर कोर्ट में गया तब रीडर से आदेश दिनांक 20-11-13 की जानकारी हुई। इसलिये जानकारी होने के बाद प्रमाणित प्रतिलिपि लेकर यह अपील की गई है। उन्होंने विलम्ब क्षमा कर विक्रय अनुमति दिये जाने की प्रार्थना की।</p> <p>3/ अपीलांट के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं कलेक्टर जबलपुर की आईसीटी दिनांक 20-11-13 के अवलोकन पर पाया गया कि यह आईसीटी अपीलांट को टीप नहीं कराई गई है एवं आदेश भी सँसूचित नहीं किया है जिसके कारण अपीलांट के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्क पर अविश्वास का कोई कारण नहीं है। अतः अपील प्रस्तुत करने में हुआ विलम्ब सदभाविक पाये जाने से क्षमा योग्य है।</p> <p>4/ प्रकरण में उपलब्ध तथ्यों के अवलोकन से यह निर्विवाद है कि ग्राम रामपुर नकटिया स्थित भूमि खसरा नंबर 32/2 रकबा 0.80 हैक्टर अपीलांट की कय की गई स्वअर्जित भूमि है शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि</p>	

Ma



भूमि नहीं है। अपीलांट गौड़ (अनुसूचित जनजाति) का है इसलिये उसके द्वारा विधिक प्रक्रिया के अधीन विक्रय की अनुमति चाही है। विचार योग्य है कि क्या अपीलांट की स्वअर्जित भूमिस्वामी स्वत्व की भूमि के विक्रय की अनुमति दिये जाने में बैधानिक अड़चन है जिसके कारण कलेक्टर जबलपुर ने अपीलांट का विक्रय अनुमति आवेदन निरस्त किया है।

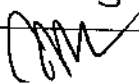
आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या० विरुद्ध म०प्र०राज्य तथा एक अन्य 2013 रा०नि०-8 - माननीय उच्च न्यायालय का न्यायिक दृष्टांत है कि :-

“(1) भू-राजस्व संहिता, 1959 (म.प्र.)-धारा 165 (7-ख) तथा 158 (3) का लागू होना - उपबंधों के अंतः स्थापन से पूर्व पट्टा तथा भूमिस्वामी अधिकार प्रदान किये गये - बिना अनुमति के भूमि का अंतरण - उपबंधों को भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया गया - उपबंध आकर्षित नहीं होते - भूमिस्वामी का अंतरण का अधिकार निहित अधिकार है।

(2) विधि का निर्वचन - का सिद्धांत - नवीन उपबंध का अंतःस्थापन - भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया गया - ऐसे उपबंध की भूतलक्षी प्रभावी होने की उपधारणा नहीं की जा सकती।”

भू राजस्व संहिता, 1959 (म.प्र.) - धारा - 165 (7-ख) - पट्टे की शर्तों का पालन करते हुये 10 वर्ष का समय हो चुका - पट्टाग्रहीता को भूमिस्वामी अधिकार प्राप्त - ऐसा भूमिस्वामी भूमि के प्रत्येक प्रकार के संव्यवहार हेतु स्वतंत्र है।

जब कि ग्राम रामपुर नकटिया स्थित भूमि खसरा नंबर



राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

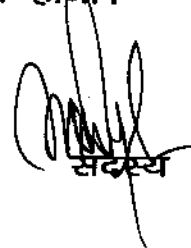
- 4 -

प्रकरण क्रमांक 1061-एक/16 अपील

जिला जबलपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अशिशु के हस्त
	<p>32/2 रकबा 0.80 हैक्टर अपीलांट की कय की गई अर्थात् स्वअर्जित भूमि है जिसे प्रत्येक प्रकार के उपभोग के लिये वह स्वतंत्र है और इन्हीं कारणों से इस भूमि को विक्रय करने की अनुमति दिये जाने में किसी प्रकार की बैधानिक अड़चन नहीं है।</p> <p>5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपील स्वीकार की जाकर कलेक्टर जबलपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 17 अ-21/13-14 में पारित आदेश दिनांक 20-11-2013 तथा अपर कलेक्टर जबलपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 131 अ-21/12-13 में पारित आदेश दिनांक 11-3-13 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किये जाते हैं तथा अपीलांट को ग्राम रामपुर नकटिया स्थित भूमि खसरा नंबर 32/2 रकबा 0.80 हैक्टर के विक्रय की अनुमति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है।</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यदि प्रस्तावित क्रेता चालू वर्ष की गाईड लायन के मान से भूमि का मूल्य देने तैयार हो। 2. विक्रय पत्र प्रस्तुत करने पर विक्रय धन विक्रेता द्वारा अपीलांट्स के नाम पंजीयन दिनांक को जमा होने की पुष्टि कर उप पंजीयक वाद-विचारित भूमि का विक्रय पत्र पंजीयत करेंगे। 3. भूमि के विक्रय पत्र का निष्पादन इस आदेश से तीन माह की समयावधि में करना अनिवार्य होगा। 	

R/ga



सदस्य